गृह मन्त्रालय मे राज्य मन्त्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) से (ग). मध्य प्रदेश के डाकू-आतकित क्षेत्रो मे डाकुओ के आतक का सामना करने के उपाय करना मुख्यत राज्य सरकार का कार्य है जिसे विधि व व्यवस्था बनाये रखने का कार्य भार सौपा गया है। तथापि, भारत सरकार इस समस्या के प्रति सजग है और समस्या के विभिन्न पहलुओ की सावधानी से जाच करने के फलस्वरूप इसे हल करने के लिए एक व्यापक तथा एकीकृत योजना तैयार की गई है। मोटे तौर पर इस योजना मे इस क्षेत्र की निम्नलिखित अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन आवश्यकताए समाविष्ट है —

(क) क्षेत्र का कृषि तथा आर्थिक विकास जिसमे बीहड़ो को कृषि योग्य बनाना भी शामिल है ;

(ख) सडको का विकास ,

(ग) पुलिस को उपलब्ध परिवहन तथा संचार सुविधाओ को उन्नत करना।

इस योजना को कार्यान्वित करने मे राज्य सरकार को सहायता देने हेतु 1969-70 मे तथा फिर 1970-71 मे 10 लाख रुपये का ऋण -व-अनुदान इस क्षेत्र पर अधिक जोर देते हुए राज्य पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए दिया गया। इसके अतिरिक्त 59.34 लाख रुपये का ऋण 1970-71 मे दिया गया।

मौरेना जिले मे 2000 हैक्टर क्षेत्र मे बीहड़ो को कृषि-योग्य बनाने की आर्थिक तथा तकनीकी सम्भावना को स्थायी आधार देने के लिए केन्द्र द्वारा प्रायोजित 50 लाख रुपये की लागत की एक मार्गदर्शी योजना हाथ मे ली गई है।

राज्य सरकारो से अन्तर-राज्य सम्पर्क सडको के लिए ऐसे प्रस्ताव तैयार करने तथा भेजने का अनुरोध किया गया है जिनकी अर्थ-व्यवस्था भारत सरकार द्वारा उनकी ऋण सहायता योजना के अन्तर्गत की जायगी।

अभी हाल मे, भारत सरकार ने यह आवश्यकता महसूस करते हुए कि समस्या का सभी पहलुओ से गहन अध्ययन किया जाए, तथा उन उपायो के अतिरिक्त अन्य उपाय ढूंढने के उद्देश्य से, जो इस क्षेत्र मे डाकुओ के आतक को को दूर करने के लिए पहले ही किये गये है, सम्पूर्ण विषय की जाच हेतु एक अध्ययन दल का गठन किया है।

आयात तथा निर्यात की गई वस्तुओं का मूल्य

354 **श्री हुकम चन्द कछवाय** क्या **विदेश व्यापार** मन्त्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) वित्तीय वर्ष 1970-71 के दौरान आयात तथा निर्यात की गई वस्तुओ का मूल्य भारतीय मुद्रा मे क्या है ; और

(ख) वित्तीय वर्ष 1971-72 मे आयात तथा निर्यात की जाने वाली वस्तुओ का अनुमानित मूल्य पृथक-पृथक क्या है ?

विदेशी व्यापार मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री ए० सी० जार्ज) : एक विवरण सभा-पटल पर रखा जाता है।

आयातित तथा निर्यातित वस्तुओ का मूल्य दिखाने वाला विवरण।

1970-71 के दौरान कुल आयातो के अन्तिम आकडे 1628 करोड रु० है जबकि निर्यातो के तदनुरूप आकडे 1531 करोड़ रुपये होगे। 1970-71 की अपेक्षा 1971-72 मे कुल आयातो मे 5 प्रतिशत की वृद्धि होने की सभावना है। 1971-72 के दौरान कुल निर्यातों के प्रस्तुत अनुमान 1670 करोड रु० है।

New Unit of High-Polymer Research Laboratory Under C S I.R.

355 SHRI BIREN DUTTA : Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY (VIGYAN AUR PRADYOGIKI MANTRI) be pleased to state ·

(a) whether Government are having plans to start a new unit of High-polymer Research Laboratory under the C.S I.R. ;